REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 6 | MARCH - 2019

हरियाणा में खनिज संसाधन एक अध्ययन

Anjana[1] and Dr. Paras Verma[2]
[1] Ph. D Research Scholar, (Geography), OPJS University, Churu Rajasthan.
[2] Guide, Associate Professor OPJS University, Rajasthan.

परिचय :–

हरियाणा प्रदेश भारत के उत्तरी–पश्चिमी भाग में 27^0, 39' उत्तरी अक्षांश से 30^0, 55' उत्तरी अक्षांश तथा 74^0, 28' पूर्वी देशान्तर से 77^0, 36' पूर्वी देशान्तर के बीच स्थित है। हरियाणा राज्य के पूर्व में यमुना नदीं उत्तर प्रदेश व हरियाणा की सीमा निर्धारित करती है। हरियाणा भारत का भू–आवेण्ष्ति राज्य है। हरियाणा के दक्षिण–पूर्व में केन्द्रशासित राज्य दिल्ली है। जिसके तीनों ओर हरियाणा पड़ता है। हरियाणा का क्षेत्रफल 44,212 वर्ग किलोमीटर है। जो देश के कुल क्षेत्रफल का 1.34 प्रतिशत है। सन् 2011 कि जनगणना के अनुसार हरियाणा कि कुल जनसंख्या 25,35,14,62 है। जो देश कि कुल जनसंख्या का 2.9 प्रतिशत है। हरियाणा कि कुल जनसंख्या में पुरुषों की संख्या 13,49,4734 है तथा महिलाओं की संख्या 11,85,6728 है। हरियाणा राज्य के पूर्नगठन के समय 7 जिले थे लेकिन वर्तमान में 22 जिले है। चण्ड़ीगढ़ पंजाब एवं हरियाणा की सांझी राजधानी होने के साथ–साथ केन्द्रशासित प्रदेश है। भू–गर्भ से खोदकर निकाली जाने वाली वस्तुओं को खनिज कहते है। खनिज प्राकृतिक रासायनिक तत्व या यौगिक है जो मुख्यतः अजैव क्रियाओं से बनते है ये अपने भौतिक तथा रासायनिक गुणों से जाने जाते है। जिन स्थानों से खनिज निकाले जाते है उसे खान कहते है। सामान्यतः खनिज रवेदार होते है तथा कुछ खनिज एक ही तत्व के बने हुए होते है जैस – हीरा। खनिजों के कई लक्षण होते है। जिसमे इसकी कठोरता घनत्व रंग चमक पार्दर्शिता संस्तर आदि प्रमुख विश्व में पाये जाने वाले लगभग एक तिहाई खनिज आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

आज के वैज्ञानिक युग में किसी भी देश के कृषि विकास स्तर का अनुमान वहां पर पनपें हुए उद्योग धन्धों से लगाया जा सकता है। अधिकांश उद्योंग धन्धें खनिजों पर ही निर्भर करते है हरियाणा के दक्षिणी भाग में खनिजों का विशेष महत्व है क्योंकि इसी भाग में ही अधिक खनिज मिलते है। हालांकि खनिज बडी ही समिति मात्रा में है। हरियाणा खनिज सम्पदा की दृष्टि से सम्पन्न राज्य नहीं है राज्य में स्लेट का पत्थर, चूना पत्थर, शोरा, चीनी मिट्टी, क्वार्ट्ज, मैग्नीज, अभ्रक, लौह अयस्क, तांबा, संगमरमर, एस्वेटराव आदि खनिज मुख्य है। खनिज सम्पदा की दृष्टि से महेन्द्रगढ़, गुडगांव, करनाल, हिसार, रिवाड़ी, भिवानी, रोहतक और फरीदाबाद उल्लेखनीय जिले है।

हरियाणा के प्रमुख खनिज उत्पादक राज्य

क्र.स.	खनिज	स्थान
1	शोरा	हिसार, करनाल, गुडगांव
2	चूना	रोहतक
3	लोहा	महेन्द्रगढ़
4	बजरी, कांप मिट्टी	फरीदाबाद, नारनौल
5	स्लेट का पत्थर	महेन्द्रगढ़ तथा मेवात
6	चूने का पत्थर	महेन्द्रगढ़
7	चीनी मिट्टी	गुड़गांव
8	मारवल	महेन्द्रगढ़
9	ऐजवेस्टस	महेन्द्रगढ़
10	हिलना पत्थर	चरखी दादरी

हरियाणा में खनिजों का वर्णन निम्न प्रकार से है –

1. स्लेटी पत्थर :–

स्लेटी पत्थर गुड़गांव और रेवाड़ी जिले के अन्तर्गत आने वाली बावल तहसील में कुण्ड़ के पास स्थित पहाडियों से किया जाता है। हरियाणा के इस क्षेत्र में बनने वाली सलेटी पत्थर का निर्यात विदेशों में किया जाता है कुण्ड के आस–पास लगने वाले लगभग सभी गांवों में पहाड़ियों के चारों और पत्थर काटने की मशीनें लगी हुई है स्लेटी पत्थर का प्रयोग विशेष रुप से ब्लैक बोर्ड, मेजों के टॉप, बच्चों के लिखने की पट्टियाँ आदि के रुप में किया जाता है।

2. रवेदार चुना :–

रवेदार चुने के पत्थर अम्बाला जिले के खड़ाम, शेरला, जबसू, जोनपुर, ट्राडायथर, बारु, झकरों और जबाइल क्षेत्रों में महेन्द्रगढ़ जिले के श्योरामनाथपुरा, भोजावास, अकबर, सिरोही, विहाली, कालिया का नांगल आदि गांवों में निकाला जाता है पंचकुला की कालका तहसील के माला में लगभग 50 लाख टन तथा कालिया का नांगल में 15 लाख टन रवेदार चूना पत्थर के भण्डार विद्यमान है।

3. क्वार्ट्–जाईट :–

यह खनिज विशेष रुप से महेन्द्रगढ़ जिले के अन्तर्गत आने वाले गाँव व कस्बे टहला व अटेला स्थानों से निकाला जाता है महेन्द्रगढ़ में क्वार्टजाईट के 165000 टन भण्ड़ार अनुमानित है।

4. चुना पत्थर :–

महेन्द्रगढ़, रोहतक, पंचकुला, हिसार और अम्बाला जिलों में चूना पत्थर प्राप्त होता है। अम्बाला जिले में नारायणगढ़ तहसील के बरुन, खडाम, रामसर, शोला, जोनपुर, डबसू, अम्बरी आदि स्थानों पर चूना पत्थर निकाला जाता है। दादरी तहसील में चूने की रोड़िया मिलती है चूने के कंकड़ रोड़ियों का प्रयोग सींमन्ट बनाने के उद्योग में किया जाता है राज्य में महेन्द्रगढ़ और रोहतक जिलों में निकाला जाता है जो चरखी दादरी के सीमेन्ट कारखानें में प्रयुक्त होता है।

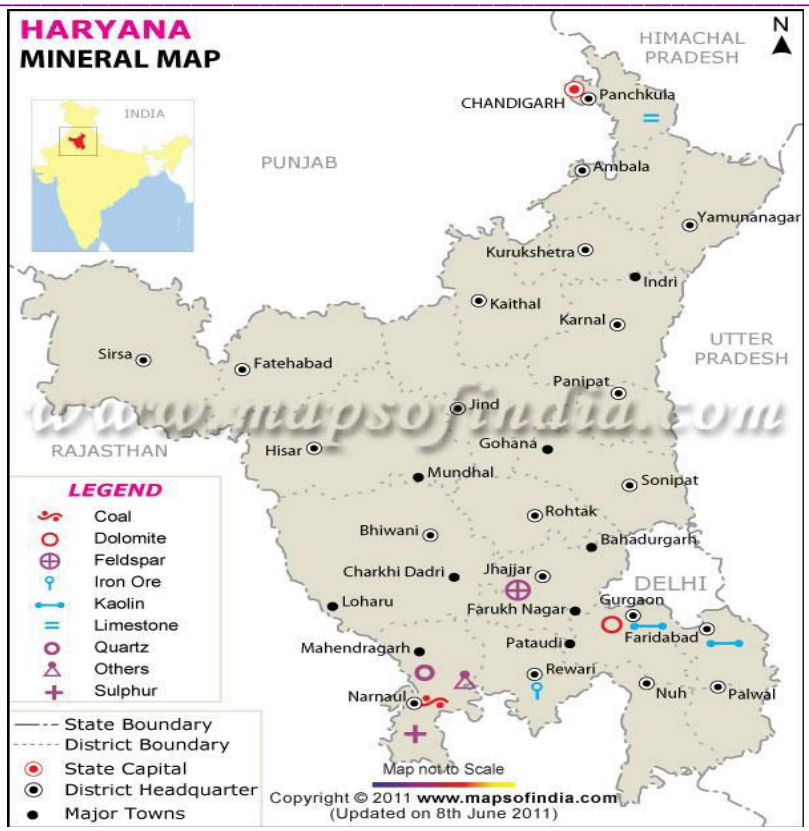

5. शोरा :–

शोरा मुख्य रुप से हांसी व सिरसा, भिवानी, रोहतक, फतेहबाद, गुड़गांव आदि जिलों में पाया जाता है।

6. बजरी :–

बजरी मुख्य रुप से फरीदाबाद एवं नारनौल के कुलताजपुर क्षेत्र से लाई जाती है। घरों का बनाने हेतु बजरी एवं वर्तमान में क्रेशर का प्रयोग किया जाने लगा है। क्रेशर पत्थर को पीसकर तैयार किया जाता है यह बहुत अच्छा तो नहीं है लेकिन बजरी की कमी को पूरा करने के लिए आमतौर पर इसका उपयोग किया जाने लगा है।

7. अन्य खनिज :–

अन्य खनिजों में अभ्रक, बैराहट, लोह अयस्क, बालु काँच, वराईट आदि नारनोल, गुड़गाँव, महेन्द्रगढ़ आदि जिले में पाये जाते है। लेकिन ये उपरोक्त खनिज सीमित मात्रा में पाये जाते है।

सन्दर्भ सूची :–

1. जिला सांख्यिकीय कार्यालय – नारनौल, महेन्द्रगढ़, गुडगांव, फरीदाबाद व अन्य जिले।
2. मिश्रा, पी.सी. – 'दी मरुस्थलीकरण रीजनल स्टडीज', नई दिल्ली आई.जी.यू. पब्लिकेशन।
3. कुमार, प्रमीला, शर्मा श्रीकमल – कृषी भूगोल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल।
4. हरियाणा एब्सट्रैक्ट – एक अध्ययन।
5. www.googal.com, www.yahho.com

Anjana
Ph. D Research Scholar, (Geography), OPJS University, Churu Rajasthan.